ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

आनलाईन कक्षा में सबको स्वागत

कक्षा -६

हिन्दी

पाठ- 6

नमक का मोल

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

8 नमक का मोल

चिंतन-मनन

प्रेम अमूल्य है। उसे नापा-तौला नहीं जा सकता। प्रेम से जीवन सुखद होता है, रुपये-पैसों से नहीं। प्रेम के महत्व को जानना है, रुपयों या कीमती वस्तुओं के नहीं।

बहुत पुरानी बात है। एक राजा था। वह अपने-आपको बहुत अकलमंद समझता था। उसे लगता था कि वह देश का सबसे ताकतवर शासक है वह अपने राज्य में उन चापलूस लोगों को पसंद करता था, जो हमेशा उसकी बड़ाई करते रहते थे।

राजा के तीन बेटियाँ थीं। एक दिन राजा ने तीनों बेटियों से पूछा कि वे उसे कितना प्यार करती है?

पहले बेटी ने कहा, "पिता जी, मैं आपको अपनी जान से भी ज़्यादा प्यार करती हूँ। मेरा प्यार सोने के समान अनमोल है।"

दूसरी बेटी ने कहा, "पिता जी, आपके लिए मेरा प्यार समुद्र की तरह गहरा है। वह हीरे-मोती की तरह शुद्ध है।"

तीसरी बेटी बहुत शर्मीली थी। जब राजा ने उससे पूछा, तो वह बोली– "पिता जी, मेरा प्यार आपके लिए ऐसा है, जैसा एक बेटी का बाप के लिए।"

शब्दार्थ-

अक्लमंद- समझदार

ताकतवर- शक्तिशाली

चापलूस - खुशामदी

अनमोल-अमूल्य, कीमती

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

राजा ने तीसरी बेटी से फिर पूछा, "तुम मुझसे कितना प्यार करती हो?"
बेटी बोली—"मैं आपसे उतना ही प्यार करती हूँ, जितना कि नमक से?"

यह सुनकर राजा अपनी छोटी बेटी से बहुत नाराज हो गया। उसे लगा कि राजकुमारी ने उसकी बेइज्ज़ती की है। उसने अपनी दोनों बड़ी बेटियों की शादी दो राजाओं से कर दी, परंतु जब छोटी बेटी की शादी की बात आई, तो राजा ने उसकी शादी एक भिखारी से कर दी। राजकुमारी बहुत बहादुर थी। उसने खुशी-खुशी अपने पिता का फ़ैसला मान लिया और भिखारी के साथ चली गई।

राजकुमारी ने अपने पति के बारे में जानने की कोशिश की। उसके पति ने उसे बताया कि वह कोई भिखारी नहीं है। वह तो इस राज्य में काम ढूँढ़ने के लिए आया था। काफ़ी दिन से कोई काम नहीं मिला, तो वह खाना माँगने लगा। इसी कारण राजा ने उसे भिखारी समझ लिया।

वह लड़का बहुत मेहनती था। इतनी समझदार पत्नी पाकर उसने ज़िंदगी की नई शुरुआत की।

राजकुमारी ने अपने गहने बेचकर एक ज़मीन का टुकड़ा खरीद लिया। वह अपने पति के साथ उस ज़मीन के टुकड़े पर खूब मेहनत से खेती करने लगी। दोनों की मेहनत रंग लाई। उनके खेत में खूब अच्छी फ़सल हुई। अनाज बेचकर उन्हें खूब रुपया मिला। इस रुपये से उन्होंने और ज़मीन खरीद ली। धीरे-धीरे उस गाँव की सारी ज़मीन उनकी हो गई। उन्होंने एक बड़ा-सा मकान भी बना लिया। उनका घर किसी महल से कम नहीं लगता था। अब वे दोनों राजा-रानी की तरह ज़िंदगी बिताने लगे थे।

शब्दार्थ

बेइज़्ज़ती-अपमान

बाहादुर- वीर

मेहनती- परिश्रमी

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow